या जीओ द्वार हमारे जो भीया ज्या जैसो द्वार हमारे

उमा जीओ.

मंगल थार-कलश त्नचे ठाड़े-चर्ण तुम्हारे गुलाबी रंग गाहे परहें पांच त्रम्हारे सो मेथा आ उग में मा

आप भी अईयो संग बहिनों को लाइयो जग है भाग हमारे जो मैंगा 555

उग जेओ--

किसम-किसम के भोग लगेंही माखन- मिश्री- दूध- गिलेंहों तुम बिन कीन हमारो री मेखा उग जेओ-

है नादान "श्रीबाबा श्री" त्महारो हर जन्मों में तुम्हें ही पुकारो बद्खे देखो सहारो री मैया उगाजीयो.